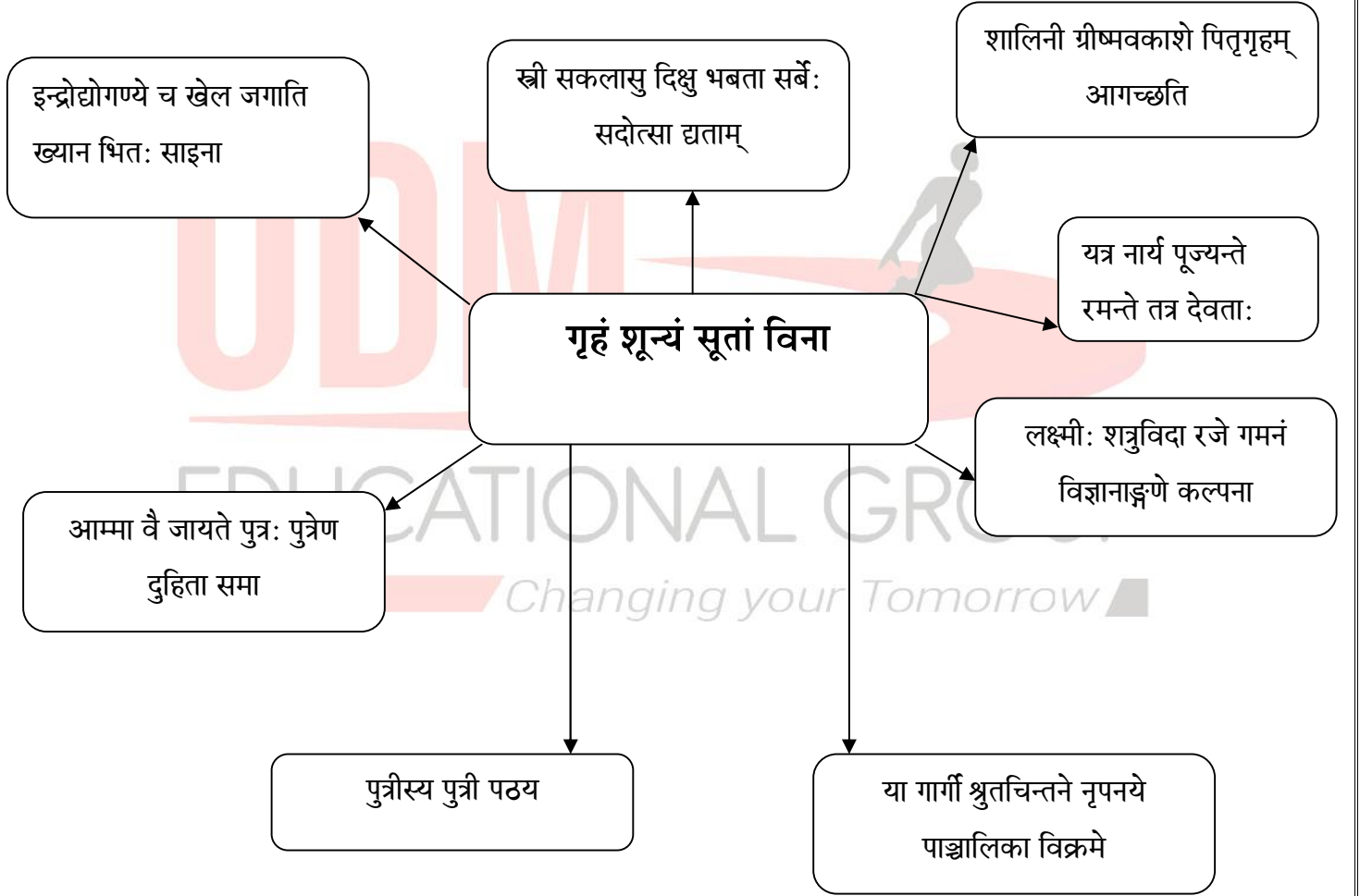


## Chapter-6

## गृहं शून्यं सूतां विना

## STUDY NOTES

MIND MAP

विभिन्न क्षेत्रों में स्त्री की स्थिति-

प्राचीनकाल में स्त्रियों की स्थिति काफी उन्नत और सुदृढ़ थी। वेद और उपनिषद् काल तक पुरुषों के साथ-साथ स्त्रियों को भी शिक्षित किया जाता था। लवकुश के साथ आत्रेयी के पढ़ने का प्रसंग एक तरफ सहशिक्षा को प्रमाणित करता है, दूसरी तरफ ब्रह्मवादिनी वेदज्ञऋषि गार्गी मैत्रैयी, अरुन्धती आदि की ख्याति इस बात को भी प्रमाणित करती है कि पुरुषों और स्त्रियों के मध्य कोई विभेद नहीं था।

पर बाद के काल में स्त्रियों की स्थिति दयनीय होती गई, जिसमें कुछ सुधार तो हुआ है, पर अभी भी स्त्री शिक्षा को बढ़ाने तथा कन्या जन्म को बाधारहित बनाने के लिए समवेत प्रयास की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर मोदी का "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" अभियान इसी की एक पहल है।

कुछ सफल महिलाएँ-

